बिहार विधान परिषद्

185वां सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग – 2

मंगलवार, तिथि 16 फाल्गुन, 1938 (श.)
07 मार्च, 2017 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 15

1.	स्वास्थ्य विभाग	-	-	07
2.	ऊर्जा विभाग	-	-	07
3.	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	-	-	01
			कुल योग –	15

समय निर्धारित

63. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला मुख्यालय मोतिहारी में रविन्द्र मुखर्जी आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल 16 एकड़ (7 लाख स्क्वायर फीट लगभग) प्रक्षेत्र में तथा सुसज्जित भवन उपलब्ध है;

(ख) क्या यह सही है कि दिनांक 10.04.1973 को बिहार विश्वविद्यालय से राजकीय आयुर्वेद एवं युनानी चिकित्सा परिषद से सम्बंद्धता प्राप्त हुआ, तदोपरांत C.C.I.M. द्वारा मान्यता बहाल हुई परन्तु कॉलेज प्रबंधन द्वारा समय पर फी जमा नहीं करने हेतु भारत सरकार के पत्रांक F.NOR-17011/07/2016-EP(1M-1) के द्वारा 90 दिनों में चलाने एवं मापदण्ड पर खरा उतरने हेतु समय निर्धारित किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त कॉलेज एवं अस्पताल को चलाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

ट्रांसफार्मर की आपूर्ति

64. **डा. उपेन्द्र प्रसाद** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के इमामगंज प्रखंड अन्तर्गत पंचायत-नौडीहा, ग्राम-पैनी में विद्युत आपूर्ति हेतु वाईरिंग दो साल पूर्व कर दिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि ट्रांसफॉर्मर के अभाव में आज तक विद्युत आपूर्ति पैनी ग्राम में नहीं की गयी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ग्राम-पैनी में विद्युत आपूर्ति हेतु ट्रांसफॉर्मर अविलंब लगाना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

आवश्यक कार्रवाई

65. **श्री मंगल पाण्डेय एवं श्री रजनीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूरे देश में कुष्ठ रोगियों की कुल संख्या-11365 के लगभग है, जबकि बिहार में ही यह संख्या 2392 के लगभग है, यानी देश के कुल कुष्ठ रोगियों की 21 प्रतिशत आबादी बिहार में है;

(ख) क्या यह सही है कि कुष्ठ रोगियों के उचित इलाज के लिए कोई व्यवथा नहीं होने से स्वस्थ बच्चों में कुष्ठ रोगियों की आबादी बढ़ती जा रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कुष्ठ रोगियों के उपचार के लिए इसकी संक्रामकता को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

नवनिर्मित भवन में स्थानान्तरण

66. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत मोकामा प्रखंड की मालपुर पंचायत के शेरपुर ग्राम में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भवन निर्माण हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि भवन निर्माण होने के बाद भी अभी तक किराये के मकान में स्वास्थ्य केन्द्र चल रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र का नवनिर्मित भवन में स्थानांतरण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

बिल लेने पर विचार

67. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना, नालन्दा, नवादा, गया के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों सहित राज्य के अन्य जिलों में लगभग 10 लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं के घरों में मीटर नहीं है, जिससे कंपनी उपभोक्ताओं को मनमाना बिजली बिल दे रही है;

(ख) क्या यह सही है कि राजधानी पटना के सरिस्ताबाद, जक्कनपुर, मीठापुर आदि दक्षिण इलाकों में कंपनी द्वारा मीटर लगाये गये हैं, उनमें 50% उपभोक्ताओं के मीटर कुछ दिनों के बाद जल गये हैं और उन्हें बिना मीटर रीडिंग के बिजली बिल दिया जा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्लान के आधार पर सभी जिलों के उपभोक्ताओं के घर बिजली मीटर लगवाने, जले मीटरों को बदलवाने तथा उचित मीटर रीडिंग के आधार पर बिजली बिल लेने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

कानूनी कार्रवाई

68. **श्री केदार नाथ पाण्डेय एवं प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला अन्तर्गत ग्राम-कंडी में निजी कंपनी द्वारा बिजली का पोल गाड़ा जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त कंपनी द्वारा श्री सुमन कुमार की निजी जमीन को क्रॉस कर पोल गाड़ दिया गया, जिससे भूमि विवाद की समस्या उत्पन्न हो गई है;

(ग) क्या यह सही है कि सुमन कुमार द्वारा इस संबंध में कंपनी के अभियंता, अभिमन्यु भारती से दिनांक 22.01.2017 को शिकायत की गई और उन्होंने आश्वस्त किया कि 25.01.2017 तक बिजली का पोल हटा दिया जायेगा और सरकारी रास्ते से बिजली पहुंचायी जायेगी, बावजूद इसके श्री कुमार की निजी जमीन से बिजली के पोल को हटाया नहीं गया, जबकि उत्तर से दक्षिण की तरफ सरकारी रास्ता वहां पर मौजूद है;

(घ) क्या यह सही है कि सरकार की नीति है कि बिना जमीन मालिक की सहमति के निजी जमीन में बिजली का पोल नहीं गाड़ा जाय, किन्तु सरकारी निदेशों की अवहेलना करते हुए कंपनी के अभियंता द्वारा निजी जमीन को क्रॉस कर बिजली का पोल गाड़ा जा रहा है, जिससे वहां पर भूमि विवाद की समस्या उत्पन्न हो गयी है, किसी भी समय अप्रिय घटना घट सकती है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार सुमन कुमार की निजी जमीन से बिजली के पोल को हटाकर सरकारी रास्ते में गाड़ने का निर्देश देना चाहती है, और जानबूझकर ऐसे कृत्य करने वाले के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करना चाहती है?

सुविधा प्रदान

69. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत बेनीपुर में बिजली के लिए हाहाकार मचा हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त शहर में नाम मात्र भर बिजली मुहैया कराई जाती है;

(ग) क्या यह सही है कि हर घर 24 घंटे बिजली पहुंचाने का सरकार का संकल्प भी है, परन्तु विभागीय अनदेखी के कारण बिजली गांवों में नहीं पहुंचती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खण्ड 'क' में वर्णित स्थान पर बिजली आपूर्ति यथाशीघ्र प्रदान करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

मानदेय उपलब्ध

70. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य सेवा में अहम योगदान देने वाले ए.एन.एम. की मानदेय आधारित नियुक्ति 2007 में सभी जिलों में की गई, जो अभी तक विगत 9 वर्षों से कार्यरत हैं;

(ख) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग के आदेश संख्या-सं.सं.-4/प्रा.-12-01/2014-990(4)/पटना, दिनांक 11.11.2014 के द्वारा उक्त तिथि से मानदेय आधारित ए.एन.एम. का मानदेय 11500 से बढ़ाकर 15000 रुपए कर दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि केवल राज्य स्वास्थ्य समिति राज्य के सभी मानदेय आधारित ए.एन.एम. की नियुक्ति करती है, लेकिन उत्क्रमित मानदेय विगत वर्षों से नहीं मिल रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ऊपर वर्णित ए.एन.एम. को उत्क्रमित मानदेय उपलब्ध कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

इंसीनरेटर लगाने पर विचार

71. **श्री लाल बाबू प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार के विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों में बायोमेडिकल कचरा के निस्तारण के लिए इंसीनरेटर लगा नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि गोपालगंज, बगहा, पूर्वी चम्पारण एवं पश्चिम चम्पारण जिलों के अस्पतालों के कचरे के निस्तारण के लिए मुजफ्फरपुर से मंत्रीकेयर प्र. लि. कचरा का उठाव करती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों में बायोमेडिकल कचरा के निस्तारण के लिए इंसीनरेटर लगाने पर विचार करती है, हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

शुद्ध पानी मुहैया

72. **श्री रणविजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार के 18 जिले खतरनाक रसायन आर्सेनिक की चपेट में हैं, जिनमें भोजपुर, भागलपुर एवं बक्सर में इसका स्तर सबसे अधिक है;

(ख) क्या यह सही है कि आर्सेनिक एक धीमा जहर है, जिससे लोगों में पानी के माध्यम से बैक्टीरिया शरीर के अंदर जाती है और कैंसर तथा अपंगता जैसी गंभीर बीमारी होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार भोजपुर एवं राज्य के अन्य जिले, जो आर्सेनिक रसायन के दायरे में हैं, इसकी रोकथाम हेतु कौन-सी योजना बना रही है, ताकि लोगों को शुद्ध पानी मुहैया हो सके, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

ट्रांसफार्मर बदलने पर विचार

73. **श्री विनोद नारायण झा** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला में 100 के.वी.ए. के दो सौ से अधिक ट्रांसफार्मर खराब पड़े हैं;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त खराब पड़े ट्रांसफॉर्मर को कबतक बदलने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों?

कार्ड देने की इच्छा

74. **श्री मो. गुलाम रसूल** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सरकार कार्यरत एवं पेंशनधारी कर्मचारियों को मेडिकल मद में प्रतिमाह का निश्चित राशि देती है;

(ख) क्या यह सही है कि इंडोर मेडिकल में खर्च की गई राशि की प्रतिपूर्ति सरकार द्वारा की जाती है;

(ग) क्या यह सही है कि मंहगी होती स्वास्थ्य सेवा में खर्च की राशि जुटाने में ही रोगी एवं उनके अटेंडेंट को काफी परेशानी होती है, जिसके कारण समय पर सही इलाज नहीं हो पाता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कार्यरत एवं पेंशनधारी कर्मचारियों को कैशलेस स्वास्थ्य कार्ड देने की इच्छा रखती है, जिससे कि वे निश्चित होकर इलाज करा सके, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

ब्लड बैंक की व्यवस्था

75. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अरवल जिला में अरवल में सदर अस्पताल है;

(ख) क्या यह सही है कि अरवल जिला में कहीं भी ब्लड बैंक नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि अरवल जिला में ब्लड बैंक नहीं रहने के कारण रोगी को पी.एम.सी.एच., पटना या जहानाबाद जाना पड़ता है और रोगी रास्ते में ही कभी काल दम तोड़ देते हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अरवल में ब्लड बैंक बनवाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

मीटर लगाने की व्यवस्था

76. **श्री सूरज नंदन प्रसाद** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या 75 लाख है, जिसमें से 12 लाख उपभोक्ताओं के घरों में मीटर नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि मीटर रहित उपभोक्ताओं से बिजली कंपनी मासिक न्यूनतम शुल्क के आधार पर बिजली बिल दे रही हैं जिससे बिजली कंपनी को हर माह लगभग 100 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार मीटर रहित 12 लाख उपभोक्ताओं के घरों में मीटर लगाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

बिजली कनेक्शन

77. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला में मुख्यमंत्री हर घर बिजली योजना के तहत वर्ष 2017-19 में 134535 घरों में बिजली कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया था;

(ख) क्या यह सही है कि जनवरी 2017 तक मात्र 44492 घरों में ही बिजली कनेक्शन दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि गया जिले में 437294 परिवारों में 151683 परिवारों को ही बिजली मिल रही है तथा 285611 परिवारों को बिजली नहीं मिल रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार गया जिले में शेष बचे 90043 घरों में बिजली कनेक्शन देकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक : 07 मार्च, 2017